वायु सेना विद्यालय बागडोगरा

कक्षा - ४

विषय - हिन्दी

वर्णमाला

वर्ण किसे कहते हैं?

भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, **वर्ण** कहलाती है।

बोलते समय हमारे मुँह से कुछ ध्वनियाँ (sounds) निकलती हैं जिन्हें लिखने के निश्चित चिन्ह होते हैं;
जैसे –
आम बोलते हुए आ+म्+अ ध्वनियाँ निकलती हैं।
इसी तरह चिड़िया बोलते हुए च्+इ+ड़+इ+य्+आ ध्वनियाँ निकलती हैं।
इन्हीं ध्वनियों को वर्ण या अक्षर कहते हैं। ये भाषा की सबसे छोटी इकाई (Unit) होती हैं।

वर्ण के भेद

हिन्दी भाषा में **वर्ण** के दो भेद हैं -

१. स्वर

२. व्यंजन

स्वर

जिन वर्णों को बोलने के लिए किसी अन्य वर्ण या ध्वनि की सहायता नहीं लेनी पड़ती, उन्हें **स्वर** (Vowel) कहते हैं। स्वर स्वतंत्र ध्वनियाँ हैं। हिन्दी भाषा में कुल **११** स्वर हैं।

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ ए, ऐ, ओ, औ

अं - इसे **अनुस्वार** कहते हैं। इसे बोलने में नाक से ध्वनि निकलती है। इसका चिह्न ं है;

जैसे - हंस, घंटी, सुंदर, पंखा, अंग आदि।

अः - इसे **विसर्ग** कहते हैं। इसे बोलने में 'अह' ध्वनि निकलती है। इसका चिह्न ' : ' है; इसका प्रयोग व्यंजन के बाद किया जाता है;

जैसे - प्रातः, स्वतः, अतः, पुनः आदि।

व्यंजन

जिन वर्णों को बोलने के लिए अन्य वर्णों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हे **व्यंजन** (Consonant) कहते हैं। सभी व्यंजनों को बोलने के लिए 'अ' स्वर का प्रयोग किया जाता है। स्वर के बिना व्यंजनों को लिखते समय उनके नीचे '्' चिह्न का प्रयोग किया जाता है, जिसे हलंत कहते है;

जैसे- क् + अ = क। हिन्दी भाषा में मूल व्यंजन ३३ हैं।

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

अन्य वर्ण

ड़ और ढ़ - इन्हें **विशेष व्यंजन** कहते हैं। ये हमेशा शब्द के बीच में या अंत में आते हैं। इनका प्रयोग व्यंजन की तरह ही होता है;
जैसे - सड़क, पकड़, घोड़ा, सीढ़ी, पढ़ना आदि

संयुक्त व्यंजन

क्ष, त्र, ज्ञ और श्र – इन्हें **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं क्योंकि ये दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं;

जैसे - क्ष = क् + ष (कक्षा) त्र = त् + र (पत्र)

ज्ञ = ज् + ञ (ज्ञानी) श्र = श् + र (श्रमिक)

इसके अतिरिक्त भी हम दो व्यंजनों को जोड़कर संयुक्त व्यंजन या संयुक्ताक्षर बना सकते हैं इन्हे बनाने के लिए पहला व्यंजन स्वर के बिना और दूसरा व्यंजन स्वर के साथ आता है; जैसे –

च् + च = च्च बच्चा सच्चा कच्चा खच्चर

च् + छ = च्छ अच्छा लच्छा मच्छर स्वच्छ

क् + क = क्क पक्का मक्की चक्की धक्का

स् + त = स्त बस्ता सस्ता मस्त दोस्त

ल् + ल = ल्ल बिल्ली दिल्ली गुल्लक बल्ला

ट् + ट = ट्ट	मिट्टी	पट्टी	खट्टा	बट्टा
क् + ख = क्ख	मक्खी	मक्खन	अक्खड़	भुक्खड़
न् + य = न्य	अन्य	वन्य	धन्य	न्याय
प् + य = प्य	प्यार	प्यास	प्याज़	प्यारा
स् + व = स्व	स्वर	स्वयं	स्वस्थ	स्वदेश

ध्यान दीजिए -

ऊपर दिए गए संयुक्ताक्षरों में जुड़नेवाले व्यंजन अपने मूल रूप में ही रहते हैं। क्ष, त्र, ज्ञ, श्र से भिन्न इन संयुक्त व्यंजनों का रूप नही बदलता।

आगत ध्वनियाँ

ज़ और फ़ - इन्हें आगत व्यंजन कहते हैं। ये अरबी, फ़ारसी भाषाओं से आए हैं; जैसे - कागज़, ज़मीन, अंग्रेज़ी, फ़कीर, लिफ़ाफ़ा आदि।

वर्णमाला

वर्णमाला किसे कहते हैं?

जब सभी वर्णों अर्थात स्वरों और व्यंजनों को एक निश्चित क्रम में लिखा जाता है तो **वर्णमाला** बनती है।

वर्णों के क्रमबद्ध समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

Video Link:-

https://youtu.be/bO2ehKI08Ks

THANK YOU

कार्यपत्रक - १

प्र १ - क्ष, त्र, ज्ञ और श्र का प्रयोग करते हुए दो - दो शब्द और लिखो। -

क्ष - कक्षा _____ _____

त्र - मित्र _____ _____

ज्ञ - ज्ञान _____ _____

श्र - श्रीमान _____ _____

प्र २ - एक शब्द में उत्तर लिखिए।

क) भाषा की सबसे छोटी इकाई - _____

ख) हिन्दी भाषा में कुल स्वर - _____

ग) अ: को कहते हैं - _____

घ) वर्णो का निश्चित क्रम - _____

च) हिन्दी भाषा में कुल व्यंजन - _____

छ) स्वरों के निश्चित चिह्न - _____

ज) हिन्दी भाषा में वर्ण के प्रकार - _____